॥ ओ३म् ॥

पूनम सूरी
प्रधान
डी.ए.वी. कॉलेज प्रबंधकर्त्री समिति
आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा

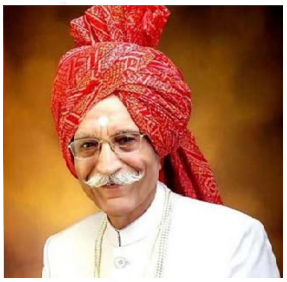

आर्य समाज का एक और स्तंभ गिर गया

आर्य समाज के स्तंभ, पद्मभूषण सम्मान से अलंकृत, हमारे श्रद्धेय महाशय धर्मपालजी 97 वर्ष, 8 महीने का यज्ञमय जीवन भोगकर अपनी अनंत-यात्रा पर चले गये हैं। महाशयजी, आर्य समाज के प्रति समर्पण, यज्ञ, दान, तप का एक अनूठा उदाहरण थे जिनका जीवन संघर्षों का एक इतिहास था। देश विभाजन की ऐतिहासिक त्रासदी को भोगने के बाद दिल्ली में अपने आपको पुनः स्थापित करना उनके जीवन की चुनौती थी जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया।

आर्य समाज के 145 वर्षों में से लगभग 98 वर्ष महाशयजी ने स्वामी दयानंद के अनन्य उपासक के रूप में बिताए। शिक्षण संस्थाएँ खोलीं। स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करने के लिए अस्पताल खोले और देश की भावी-पीढ़ी के चरित्र-निर्माण के कार्यों में सक्रिय योगदान दिया। उनका विश्वास था कि अच्छी शिक्षा और चरित्र-निर्माण ही राष्ट्र का कल्याण कर सकता है। अनेकों आर्यसमाजों की स्थापना, देश-भर के वैदिक संस्थानों की सरपरस्ती के लिए उन्होंने दान की गंगा बहा दी।

महाशयजी का हमारे बीच से चले जाना एक अपूरणीय क्षति है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि महाशयजी को उनके उत्तम गुण, कर्म तथा स्वभाव के अनुसार सद्गति प्राप्त हो और परिवार के सदस्यों को उनके व्यक्तिगत गुणों को धारण करने का बल मिले।

आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा, इससे संबंधित समस्त आर्य समाज तथा डी.ए.वी. शिक्षण संस्थाएँ दिवंगत महाशयजी को अपनी श्रद्धांजलि देते हुए उनके प्रति नतमस्तक हैं।

दिनांक : 3 दिसम्बर, 2020

(पूनम सूरी)
प्रधान

डी.ए.वी. कॉलेज प्रबंधकर्त्री समिति, चित्रगुप्त रोड, पहाड़गंज, नई दिल्ली-110 055
दूरभाष : 011-23543418, ई-मेल : psuri@milap.com, president@davcmc.net.in